

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
---------------	-----------------------------------	---

एक तफ्ती बहल सुनी गई। अधिवक्ता जज
 ने निवेदन किया की उन्होंने 1883 के प्रहरी
 काद प्रहरी का रखा है, जिसे उनके पक्ष में निर्णय
 होने की पूर्ण संभावना है। उनके जजरी पत्र के अन्त
 में भा.न. 561/11।। का है, तथा जमान्दी के
 खातेदार के रूप में दर्ज है। इन खातेदारों
 का काम है। लेकिन पड़ोसी खातेदार विष्णु
 मुखिया पंचाल का-का। तारी शान्तिपूर्ण ढंग से
 के दावला देते हैं, कतः जजरी तारी मुक्ति में उक्त
 न को तथा काद्य व रुकावर पैदा न को इस
 आशय की निवेद्याज्ञा जारी कएने।

देने खातेदार व उनके जवाब व
 दाखाने का अधिवक्ता व बहल पर प्रहरी
 किया। जजरी खातेदार काशतका है। तथा
 जजरी व अजजरी की मुक्ति भी अलग-अलग है
 कतः अजजरी को जरिये अस्वाइ निवेद्याज्ञा
 प्राकन्द किया जाता है की वह जजरी
 की मुक्ति में कोई रुकावर पैदा न को,
 तथा न ही उसके शान्तिपूर्ण मुक्ति मार्ग में
 कोई बाधा अकाम्य दावला उत्पन्न हो।
 निर्णय सरे इजलास बुलाया गया। पत्रावली
 फिल मुआ लेख नम्बर से कम की जाने।

23
 27
 31
 21-1
 29-1

h